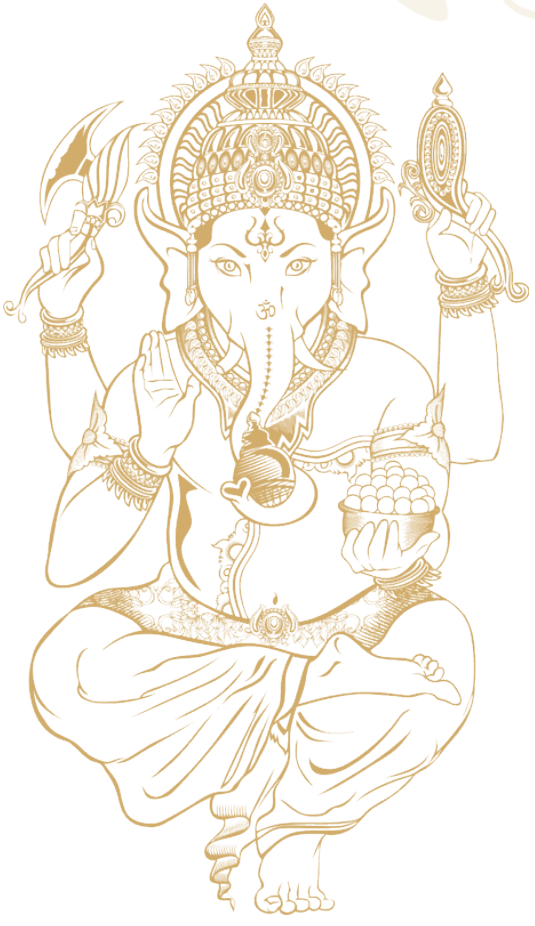

Mr. Narayan

21 Jan 1982

11:06 AM

Dhanbad

Model: web-freekundliweb

Order No: 120271902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21/01/1982**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:06:04 घंटे**
इष्ट	11:34:35 घटी
स्थान	**Dhanbad**
देश	India

अक्षांश	23:47:00 उत्तर
रेखांश	86:32:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:16:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:22:12 घंटे
वेलान्तर	-00:11:15 घंटे
साम्पातिक काल	19:23:16 घंटे
सूर्योदय	06:28:14 घंटे
सूर्यास्त	17:22:09 घंटे
दिनमान	10:53:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	07:14:59 मकर
लग्न के अंश	03:54:17 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ध्रुव
करण	कौलव
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	03:54:17	459:17:13	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			मक	07:14:59	01:01:04	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	23:25:32	11:49:31	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	नीच राशि
मंगल			कन्या	20:39:19	00:17:40	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			मक	24:39:54	00:22:00	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	सम राशि
गुरु			तुला	14:58:20	00:05:59	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	शत्रु राशि
शुक्र	व	अ	मक	07:33:21	00:36:57	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	मित्र राशि
शनि			कन्या	28:33:25	00:01:04	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु			मिथु	28:52:07	00:00:42	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	उच्च राशि
केतु			धनु	28:52:07	00:00:42	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	उच्च राशि
हर्ष			वृश्चि	10:01:47	00:02:25	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	---
नेप			धनु	02:15:05	00:01:57	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
प्लूटो			तुला	03:18:33	00:00:18	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	25:37:15	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:36:08

लग्न-चलित

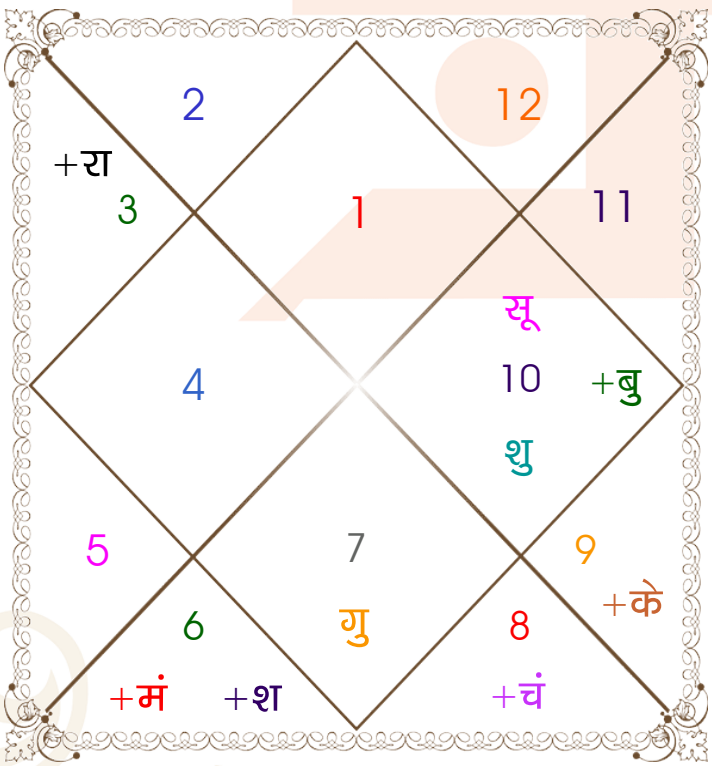

चन्द्र कुंडली

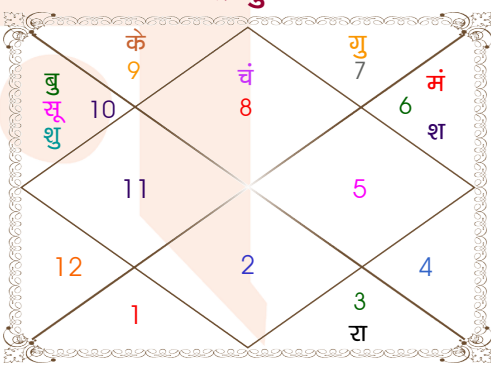

नवमांश कुंडली

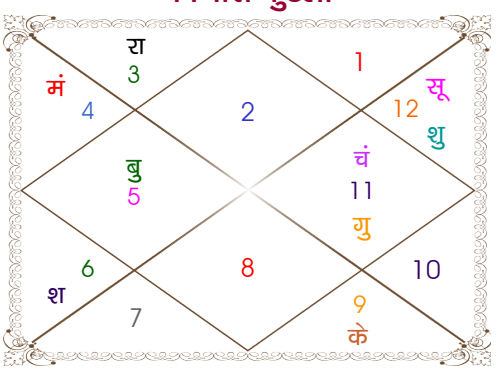

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 8 वर्ष 4 मास 17 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
21/01/1982		10/06/1990		09/06/1997		09/06/2017		10/06/2023	
10/06/1990		09/06/1997		09/06/2017		10/06/2023		09/06/2033	
	00/00/0000	केतु	06/11/1990	शुक्र	09/10/2000	सूर्य	27/09/2017	चंद्र	09/04/2024
	00/00/0000	शुक्र	06/01/1992	सूर्य	09/10/2001	चंद्र	29/03/2018	मंगल	08/11/2024
	00/00/0000	सूर्य	13/05/1992	चंद्र	10/06/2003	मंगल	03/08/2018	राहु	10/05/2026
	00/00/0000	चंद्र	12/12/1992	मंगल	09/08/2004	राहु	28/06/2019	गुरु	09/09/2027
	21/01/1982	मंगल	10/05/1993	राहु	10/08/2007	गुरु	15/04/2020	शनि	09/04/2029
मंगल	06/12/1982	राहु	28/05/1994	गुरु	10/04/2010	शनि	28/03/2021	बुध	09/09/2030
राहु	25/06/1985	गुरु	04/05/1995	शनि	09/06/2013	बुध	02/02/2022	केतु	10/04/2031
गुरु	30/09/1987	शनि	12/06/1996	बुध	09/04/2016	केतु	10/06/2022	शुक्र	09/12/2032
शनि	10/06/1990	बुध	09/06/1997	केतु	09/06/2017	शुक्र	10/06/2023	सूर्य	09/06/2033

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
09/06/2033		09/06/2040		10/06/2058		10/06/2074		09/06/2093	
09/06/2040		10/06/2058		10/06/2074		09/06/2093		00/00/0000	
मंगल	05/11/2033	राहु	20/02/2043	गुरु	28/07/2060	शनि	12/06/2077	बुध	06/11/2095
राहु	24/11/2034	गुरु	16/07/2045	शनि	08/02/2063	बुध	21/02/2080	केतु	02/11/2096
गुरु	31/10/2035	शनि	22/05/2048	बुध	16/05/2065	केतु	31/03/2081	शुक्र	03/09/2099
शनि	09/12/2036	बुध	09/12/2050	केतु	22/04/2066	शुक्र	31/05/2084	सूर्य	11/07/2100
बुध	06/12/2037	केतु	28/12/2051	शुक्र	21/12/2068	सूर्य	13/05/2085	चंद्र	10/12/2101
केतु	04/05/2038	शुक्र	27/12/2054	सूर्य	09/10/2069	चंद्र	12/12/2086	मंगल	22/01/2102
शुक्र	04/07/2039	सूर्य	21/11/2055	चंद्र	08/02/2071	मंगल	21/01/2088		00/00/0000
सूर्य	09/11/2039	चंद्र	22/05/2057	मंगल	15/01/2072	राहु	27/11/2090		00/00/0000
चंद्र	09/06/2040	मंगल	10/06/2058	राहु	10/06/2074	गुरु	09/06/2093		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 8 वर्ष 4 मा 14 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं वृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी, उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाले, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाले और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाले लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति के प्राणी हैं।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करते हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति का विचार को स्वीकार नहीं करते हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करते हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाले हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानते हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करते।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करते तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देते हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाते है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करते हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चाताप का श्रेय दूसरो पर देते तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देते हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी व्यक्ति हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाते हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहते हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप इमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेते हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देते तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करते हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेते हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। आपकी पत्नी आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करती हैं। ऐसा संभव है कि आप अपनी पत्नी की विशेषताओं पर अमल करने लगें।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगे। लेकिन यदि आप पूर्ण सतर्कता से वाहन नही चलाएगें या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना के शिकार हो सकते हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है। अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आप अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किए तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग के अथवा पक्षाघात के शिकार हो सकते हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करते रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहार भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगे अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगे तो आपका संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगे तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगे और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन का बचत नियमित करें जो आपके संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 अंक आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।